आन वसो नंदलाल

आन वसो नंदलाल, मेरे सूने मंदिर में ॥

छाया जिस में, घोर अँधेरा ।
तुम आओ तो, होवे उजियारा ।
तुम बिन, है सुनसान, मेरे सुने मंदिर में,,,
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

घण्टे और, घड़ियाल नहीं है ।
सामग्री का, थाल नहीं है ।
मोह माया, का है जाल, मेरे सुने मंदिर में,,,
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

मेरा मन, दर्वेश नहीं है ।
बगुले जैसा, भेस नहीं है ।
प्रेम का है, यह हाल, मेरे सुने मंदिर में,,,
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

कान्हा मेरे, मंदिर आना ।
मेरे हाथों, भोग लगाना ।
आना, हो के दयाल, मेरे सुने मंदिर में,,,
आन वसो नंदलाल,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19159/title/aan-vaso-nandlal

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |